

24.4.15

वकील करीबने उपर। उमरप्रमाणान की कस हुनी गरी।
 पञ्चमी नं उपलब्ध सिद्धि का कवलीमन किरा उपर।
 तपलोकर कसे पर वला नि खियादिता सयानी सपय
 नंख 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495/2496
 वपी एवं उखियादी की हेतुका खायेपारी मक्ति है
 अन्त खियादिता सयानी नं 242291/2 के माध्या
 पर पलादिता की जा रही है एवं कषि त्रयस्य किरा
 संपत्तिनि करान पादिनिता सिद्धि ना रहा है मतः
 अतीक म्यान हुज गरील म्यान के पदा नं सिद्धि गरी सिद्धि
 इकानाके हाल करीन हुज धनुदीन को प्रदी हुं। सिद्धि
 कराने हेतु एवं केना संपत्तिनि करान सयानी
 का कषि उमोम कसे पर 1777 की धरि 1777
 के तहत तपार केस करान के लिए तहसीलदार
 को दाखिल जारी होकर हुं पर इसी तार पर
 खादिता सिद्धि जाता है। पञ्चमी केसल गुमरा
 होकर होकर गमरा न पला होकर दाखिल पला

दी
24/4



सपयान्त अधिकारी
 करौली (रा.ग.)